बी.एम.टी.पी.सी. | bmtpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

सभी के लिए किफायती आवास हेतु अनुकूल वातावरण सृजन की दिशा में

हमारा विजन

"बीएमटीपीसी, आम आदमी पर विशेष ध्यान देते हुए आपदा रोधी निर्माण सहित सुस्थिर निर्माण सामग्रियों और उचित प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों के क्षेत्र में सभी के लिए विश्व स्तरीय ज्ञान (नॉलेज) तथा प्रदर्शन (डिमोंस्ट्रेशन) हब बने"

हमारा मिशन

"आवास के सुस्थिर विकास के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों सहित संभावित लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल, आपदा रोधी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन और प्रयोगशालाओं से जमीन तक इनके अंतरण के लिए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण बनाने की दिशा में कार्य करना"

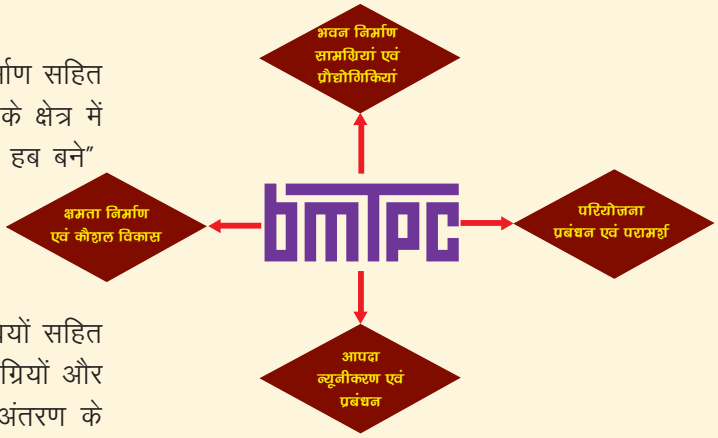

गतिविधियों के क्षेत्र

उद्देश्य

- **भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी:** निर्माण के क्षेत्र में प्रभावित नवाचारी एवं उभरती भवन निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा बड़े पैमाने पर जमीनी अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
- **क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास:** व्यावसायिकों, निर्माण एजेंसियों, कारीगरों हेतु क्षमता निर्माण एवं बेहतर निर्माण प्रथाओं को प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में काम करना तथा भवन प्रौद्योगिकियों को प्रयोगशाला से जमीन तक लाने के लिए विपणन करना
- **आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन:** प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, जोखिम सुकुमारता तथा जोखिम घटाव की प्रौद्योगिकियों एवं प्रविधियों को बढ़ावा देना और भवनों का पुनर्निमाण एवं रेट्रोफिटिंग तथा मानव बस्तियों के लिये आपदा प्रतिरोधी नियोजन करना।
- **परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श:** मूल्यांकन, निगरानी तथा केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न आवासीय योजनाओं के तहत तीसरे पक्ष का निरीक्षण सहित परियोजना प्रबंधन तथा परामर्श सेवाएं देना।

1990 में स्थापित निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद् (बीएमटीपीसी) भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुदान सहायता प्राप्त एक स्वायत्त संगठन है। बीएमटीपीसी को बड़े पैमाने पर क्षेत्र अनुप्रयोग हेतु आपदा रोधी निर्माण कार्यों सहित लागत-प्रभावी, पर्यावरण-अनुकूल एवं ऊर्जा-दक्ष भवन निर्माण सामग्रियों एवं आवास प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करने का कार्य सौंपा गया है। परिषद् ने प्रौद्योगिकियों के पहचान, मूल्यांकन, मानकीकरण, प्रमाणन, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण एवं जमीनी स्तर के उपयोग के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमाणित एवं उभरती भवन निर्माण सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया है। परिषद् विभिन्न राज्यों से प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्राप्त परियोजनाओं के मूल्यांकन और निगरानी हेतु एजेंसियों में से एक के तौर पर नामित है।

आदर्श आवासीय परियोजनाओं द्वारा वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का एक महत्वपूर्ण घटक वैकल्पिक सामग्री और प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए प्रदर्शन आवासों का निर्माण करना है। बीएमटीपीसी ने बड़े पैमाने पर आवास के लिए 16 उभरती निर्माण प्रणालियों की पहचान और उनका मूल्यांकन किया है। हाल ही में, एक नई पहल के रूप में, बीएमटीपीसी नई प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से उभरती हुई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन आवास परियोजनाओं का निर्माण शुरू किया है । इसी क्रम में प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में प्रदर्शन आवास परियोजना का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रदर्शन घरों का निर्माण कार्य, भुवनेश्वर, ओडिशा, बिहारशरीफ, बिहार, औरंगाबाद जागीर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश और हैदराबाद, तेलंगाना में प्रगति पर है। राज्य स्तर के संवेदीकरण कार्यक्रम और कार्यशालाएं विभिन्न जगहों मे आयोजित किए जा रहें हैं ताकि उभरती हुई प्रौद्योगिकियों को मुख्य धारा में शामिल किया जा सके।

सरस्वती नगर, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में जीएफआरजी पैनल सिस्टम का उपयोग कर प्रदर्शन आवास परियोजना

चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, ओडिशा में विस्तारित पॉलीस्टाइन कोर पैनल सिस्टम (ईपीएस) प्रौद्योगिकी का उपयोग कर प्रदर्शन आवास परियोजना

बिहार शरीफ, बिहार में मोनोलीथिक कन्स्ट्रक्शन में स्ट्रक्चरल स्टे इन प्लेस सीआर स्टील फॉर्मवर्क सिस्टम – कोफोर, का उपयोग कर प्रदर्शन आवास परियोजना – प्रगति पर

औरंगाबाद जागीर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में ईपीएस आधारित डबल दीवार वाले पैनल सिस्टम का उपयोग कर प्रदर्शन आवास परियोजना – प्रगति पर

गाचीबॉवली, हैदराबाद, तेलंगाना में कोफोर और लाइट गेज स्टील फ्रेमड संरचना का उपयोग कर प्रदर्शन आवास परियोजना – प्रगति पर

निष्पादनता मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना – पीएसीएस (पैक्स)

भारत सरकार ने बी.एम.टी.पी.सी. को भारत के गजट सं.49 दिनांक 4 दिसम्बर 1999 के अर्न्तगत गजट अधिसूचना सं. I–16011/5/99 एच–II द्वारा निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र योजना को कार्यान्वित करने के लिए अधिकृत किया है। पैक्स एक तृतीय पक्ष द्वारा संचालित स्वैच्छिक योजना है इसके अर्न्तगत भवन सामग्रियों, उत्पादों, अवयवों, ईकाइयों एवं तंत्रों आदि सहित अनेक उत्पादों के यथोचित आंकलन के बाद उनके निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा अनुप्रयुक्त करने वालों को निष्पादनता मूल्यांकन प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। अभी तक, बीएमटीपीसी ने 46 मदों/प्रणालियों को निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र (पीएसी) जारी किये हैं।

प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) – बीएमटीपीसी की भूमिका

बीएमटीपीसी आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की मिशन योजनाओं के लिए तकनीकी संस्थान के रूप में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है और प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत यूएलबी के तृतीय पक्ष निरीक्षण और निगरानी (टीपीआईएम) की मूल्यांकन, निगरानी, समीक्षा और तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत एक प्रौद्योगिकी उप–मिशन की स्थापना की है जो नई निर्माण प्रौद्योगिकियों एवं वैकल्पिक निर्माण सामग्रियों के संवर्द्धन एवं उन्हें अपनाने पर कार्य कर रहा है। बीएमटीपीसी को खासतौर पर उच्च भूकंपीय क्षेत्र अर्थात IV एवं V में स्थित राज्यों एवं क्षेत्रों के लिए भूकंप रोधी डिजाइन एवं निर्माण के संबंध में शहरी स्थानीय निकायों एवं लाभार्थियों को शिक्षित करने का कार्य भी सौंपा गया है।

क्षमता निर्माण और कौशल विकास

परिषद् निर्माण पेशेवरों और कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसके अलावा, बीएमटीपीसी जानकारी के प्रसार के लिए प्रदर्शनियों, सम्मेलनों, संगोष्ठीयों, सेमिनार, कार्यशालाओं, आदि में भी भाग लेता है। नए निर्माण सामग्री के उद्भव के साथ, प्रौद्योगिकीयों की उन्नति, आपदा प्रतिरोधी निर्माण और प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि नियमित रूप से काम कर रहे पेशेवर अपने ज्ञान और विषयों की समझ में नियमित रूप से वृद्धि करें। बीएमटीपीसी निम्नलिखित विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है :

- अच्छी निर्माण प्रथाओं और उभरती हुई प्रौद्योगिकियां
- सतत निर्माण और ग्रीन निर्माण आचरण
- भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन और निर्माण
- कंक्रीट मिक्स – डिजाइन और गुणवत्ता नियंत्रण
- गुणवत्ता नियंत्रण और निर्माण में आश्वासन
- कंक्रीट निर्माण के लिए रासायनिक और खनिज एडमिक्सचर का प्रयोग
- मरम्मत और इमारतों के रखरखाव और पुनर्वास – भूकंपीय सुदृढ़ीकरण सहित
- भवन निर्माण में बांस का प्रयोग

इन कार्यक्रमों और ट्रेनिंग कोर्सेस को शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास, सार्वजनिक और निजी संस्थाओं के साथ सहयोग के साथ आयोजित किया जा रहा है

बीएमटीपीसी आपदा की रोकथाम और शमन में सक्रिय भूमिका निभा रही है। इस संदर्भ में भारत की पहली वलनरेबिलिटी एटलस, लेंड्सलाइड एटलस, आवासों के भूकंप, पवन/चक्रवात एवं बाढ़ प्रतिरोध में सुधार के लिए दिशा–निर्देश तैयार किए हैं। इसके अलावा आईआईटी कानपुर के साथ, भूकंप प्रतिरोधी निर्माण के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर भूकंपीय टिप्स बनाए हैं। परिषद ने प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ सुरक्षा के लिए अपने निर्माण उप–नियमों को संशोधित करने में राज्य सरकारों की सहायता की है। बीएमटीपीसी ने एनडीएमए के लिए अपडेट किए गए सभी राज्यों / संघ शासित प्रदेशों और जिला स्तर के, भूकंपीय खतरे के जोनिंग मानचित्रों को तैयार किया है एवं मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित किया है। जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा उप–डिविजनल अस्पताल जैसे कुछ जीवन–रेखा भवनों, दिल्ली में 7 एमसीडी स्कूलों तथा गुजरात में कई इमारतों में भूकंपीय सुदृढ़ीकरण तकनीकों का प्रदर्शन सफलता पूर्वक किया है ।

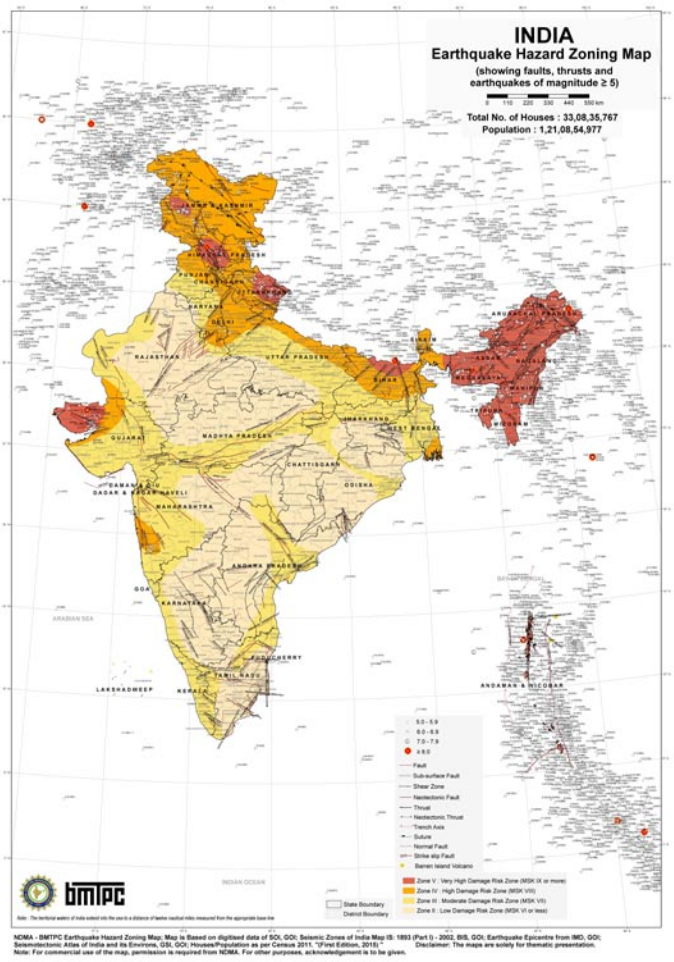

बड़े पैमाने पर आवास निर्माण के लिए बीएमटीपीसी द्वारा पहचान और मूल्यांकन की गई उभरती प्रौद्योगिकियों की सूची

फार्मवर्क सिस्टम
1 मोनोलीथिक कंक्रीट निर्माण के लिए फॉर्मवर्क
2 मॉड्यूलर टनल फॉर्म
3 सिस्मो बिल्डिंग टेक्नोलॉजी

पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल सिस्टम
1 एडवांस्ड बिल्डिंग सिस्टम – ईएमएमईडीयूई
2 रैपिड पैनल
3 रेनफोरस्ड ईपीएस कोर पैनल सिस्टम
4 क्विक बिल्ड 3D पैनल्स
5 कंक्री वाल पैनल सिस्टम
6 ग्लास फाइबर प्रबलित जिप्सम (जीएफआरजी) पैनल सिस्टम

लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम
1 लाइट गेज स्टील फ्रेमयुक्त संरचना (एलजीएसएफएस)
2 इंफिल कंक्रीट पैनलों के साथ लाइट गेज स्टील फ्रेमड संरचना (एलजीएसएफएस–आईसीपी)

स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम
1 फैक्टरी मेड फास्ट ट्रैक बिल्डिंग सिस्टम
2 स्पीड फ्लोर सिस्टम

प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण सिस्टम
1 वेफल क्रीट बिल्डिंग सिस्टम
2 प्रीकास्ट बड़े कंक्रीट पैनल सिस्टम
3 सेलुलर हल्के वजन कंक्रीट स्लैब और प्रीकास्ट कॉलम का उपयोग कर औद्योगिक 3–एस सिस्टम

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

bmtpc

कार्यकारी निदेशक
निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
कोर–5ए, प्रथम तल, भारत पर्यावास केन्द्र, लोधी रोड़, नई दिल्ली – 110003
फोन : 91–11–24636705, फैक्स : 91–11–24642849
ई–मेल : info@bmtpc.org

@bmtpcdelhi bmtpc.bmtpc www.bmtpc.org